थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

'सृजन'

बाल मन के स्वतंत्र विचार



मार्गदर्शक - समस्त हिंदी विभाग

सत्र: 2026-27

प्रबंधक महोदया का संदेश



डॉ. पुष्पा शर्मा

प्रिय नन्हें फूल और आदरणीय अभिभावक,

अत्यंत आनंद और गर्व का विषय है कि हमारे विद्यालय की बाल-पत्रिका 'सृजन' बाल-मन की कोमल अनुभूतियों और अदम्य कल्पनाओं का नया अध्याय लेकर आपके हाथों में है।

बच्चों का अंतस निर्मल धाराओं सा सहज होता है, जहाँ कोमल भाव और अनगढ़ कल्पनाएँ पलती हैं। जब इन भावों को शब्दों के मोती और रंगों का आँचल मिलता है, तब 'सृजन' जैसी सुंदर और जीवंत कृतियाँ जन्म लेती हैं। यह पत्रिका केवल बाल-रचनाओं का कोई साधारण संकलन मात्र नहीं है, अपितु यह हमारे नौनिहालों के बढ़ते हुए आत्मविश्वास, अंतस की उड़ान और उनके बौद्धिक विकास का सजीव दर्पण है।

इस सृजनात्मक अनुष्ठान को पूर्णता देने वाले हमारे समर्पित शिक्षक, प्राणवान विद्यार्थी और स्नेहिल अभिभावक — आप सभी साधुवाद के पात्र हैं।

मेरे प्यारे बच्चों, इसी तरह निरंतर सीखते रहो, कुछ नया रचते रहो और अपनी इस पावन माटी व देश का नाम रोशन करो!

स्नेह और शुभकामनाओं सहित,

अवैतनिक सचिव डॉ. पुष्पा शर्मा

प्रबंधक - श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

प्रधानाचार्या का सन्देश



प्रिय नन्हें रचनाकारों और आदरणीय अभिभावकों,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारी बाल-पत्रिका 'सृजन', बाल-मन की स्वतंत्र एवं मौलिक अभिव्यक्तियों का सतरंगी संसार लेकर पाठकों के समक्ष उपस्थित है।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, अपितु विद्यार्थियों के अंतस में छिपी सृजनात्मकता और कल्पना-शक्ति को सही दिशा और एक नया आकाश देना है। मुझे अत्यंत गर्व है कि हमारे इन नन्हें रचनाकारों ने अपनी कविताओं और चित्रों के माध्यम से अपने कोमल भावों को बेहद खूबसूरती से पिरोया है।

यह पत्रिका बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने का एक अनूठा प्रयास है। इस सृजनात्मक और आनंदमयी यात्रा से जुड़े सभी कर्मठ शिक्षकों, ऊर्जावान विद्यार्थियों और सहयोगी अभिभावकों को मेरी अंतःकरण से शुभकामनाएँ।

बच्चों, अपनी कल्पनाओं को असीम पंख दो, निरंतर आगे बढ़ो और अपने सपनों को सच करो!

शुभकामनाओं सहित

ज्योत्स्ना जोशी

प्रधानाचार्या - श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

अपनी बात

सृजन की यात्रा सदैव मौन विचारों से आरंभ होती है और अभिव्यक्ति के रूप में पूर्णता पाती है। विद्यालय के इस मंच 'सृजन' के माध्यम से हमारा सतत प्रयास रहा है कि बाल-मन में उमड़ते विचारों, निष्छल भावनाओं और अनगढ़ कल्पनाओं को एक उचित दिशा दी जा सके। जब बच्चों ने अपनी कलम और रंगों से कागज़ पर कविताएँ, कहानियाँ और चित्र उकेरना शुरू किया, तो वह केवल उनकी मौलिक सोच की अभिव्यक्ति भर नहीं थी, बल्कि उनकी रचनात्मक क्षमता का प्रमाण भी थी।

अत्यंत गौरव का विषय है कि हमारे विद्यार्थियों की यही अनूठी रचनाएँ आगे चलकर 'अमर उजाला' और 'दैनिक जागरण' जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समाचार पत्रों का हिस्सा बनीं। समाचार पत्रों के मुख्य पन्नों पर अपनी रचनाओं को प्रकाशित देखकर बच्चों के चेहरे पर छाई मुस्कान और उनका बढ़ता आत्मविश्वास ही हमारी इस पूरी यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें निर्भीक होकर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। 'सृजन' का यह अंक बाल-सृजनशीलता, लगन और कलात्मकता का जीवंत दस्तावेज़ है। आशा है कि हमारे बाल-साहित्यकारों और कलाकारों का यह छोटा सा प्रयास आपके हृदयों को छुएगा।

प्रेरक

मधुर भारद्वाज

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



विशेष आभार



हमारे नन्हें साहित्यकारों और

बाल-कलाकारों की मौलिक

रचनाओं व कृतियों को सहर्ष

स्थान देने एवं उनका उत्साहवर्धन

करने के लिए 'अमर उजाला' तथा

'दैनिक जागरण' समाचार पत्र

परिवार के प्रति हम हार्दिक

कृतज्ञता एवं विशेष आभार व्यक्त

करते हैं।

धन्यवाद

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

फूलों की तरह

मिले फूल से फूल, तो गुलदस्ता बन जाते हैं,

छोटे-छोटे रंग, मिलकर सुंदरता दिखाते हैं।

बिना सूरज की रोशनी, फूल भी फीके रहते हैं,

जैसे बिना प्यार और स्नेह, जीवन सूना रहता है।

बूंद-बूंद पानी से, नदी बनती है,

हर कोशिश और मेहनत से, सपने सच होते हैं।

मिल-जुलकर काम करें, दिल से दिल जुड़ जाए,

जैसे फूलों का बगीचा, सबको खुशबू दे जाए।

छोटा सा प्रयास, बड़ा बदलाव लाता है,

मिलकर रहो हमेशा, यही जीवन सिखाता है।



छात्रा: दीपांशी
कक्षा: छह
माता का नाम : श्रीमती गीता रानी
पिता का नाम: श्रीमान वीरेन्द्र कुमार
विद्यालय : थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

मां

मां की ममता ठंडी छाया,
मां का आंचल सुख की माया।
मां के चरणों में स्वर्ग बसे,
मां ही जग की सच्ची छाया।
भूखी रहकर खुद भी मां,
बच्चों को भोजन कराती।
दर्द छुपाकर अपने दिल का,
हर पल खुशियां बरसाती।
मां की गोद में जो सो जाए,
उसको डर फिर क्या सताए।
मां के बिना जीवन सूना,
कोई भी अपना नहीं कहलाए।
मां है मंदिर, मां है पूजा,
मां के बिना सब अधूरा।
मां की ममता सबसे ऊंची,
मां से सुंदर नहीं है दूजा।

छात्रा: कृतिका अग्रवाल
कक्षा: छह
माता का नाम: श्रीमती प्रिया अग्रवाल
पिता का नाम: श्रीमान कपिल अग्रवाल
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

रंगों का त्योहार होली



रंगों का त्योहार आया, खुशियों का संग लाया,

हर तरफ हंसी बिखरी है, जैसे चमन में फूल खिल आया।

गुलाबी, पीला, नीला, रंगों का मेल,

सब मिलकर गाते हैं, प्यार भरा यह खेल।

मिट्टी की खुशबू से, होली का त्योहार,

हम सब मिलकर मनाएं, प्यार और याद का संसार।

सजा आज रंगों से, दोस्ती का जादू,

होली का त्योहार, सबके दिलों में बांटूं।

पिचकारी से रंग उड़ाएं, हंसी-खुशी के साथ,

नाचें-गाएं सब मिलकर, पकड़ के दूजे का हाथ।

मीठी-मीठी गुझिया खाएं, ढोल बजें जोर-शोर,

छोटे-बड़े सब खुश होते, नहीं है कोई कमजोर।

रूठे मन को मना लें, गले लग जाएं आज,

होली सिखाती हमें, प्यार ही सबसे बड़ा राज।



छात्रा: जिज्ञासा शर्मा
कक्षा: छह
माता का नाम : श्रीमती मधु शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान संतोष शर्मा
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

पक्षी की तरह बनो

पक्षी की तरह बनो तुम,
आसमानों को छूने का सपना रखो।
छोटे से घोंसले से निकलकर,
बड़ी उड़ानों का हौसला रखो।
ना डर हो आंधियों का,
ना भय हो काली रात का।
पंखों में विश्वास भरो,
और साथ दो हर हालात का।
डाल-डाल पर गाना सीखो,
हर मौसम में मुस्कुराना सीखो।
गिर कर फिर से उड़ जाना,
जीवन का यह फ़साना सीखो।
पक्षी की तरह बनो तुम,
मुक्त गगन में उड़ते जाओ।
मेहनत को अपना साथी बनाकर,
अपने सपनों को सच बनाओ।



छात्रा: प्राची सैनी
कक्षा: छह
माता का नाम : श्रीमती निशा सैनी
पिता का नाम: श्रीमान वीरेंद्र कुमार सैनी
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

एक नई सुबह

जब रात घनी हो जाती है,

उम्मीद कहीं सो जाती है,

तब दूर क्षितिज के कोने से,

एक किरण-सी आती है।

गिरना भी ज़रूरी होता है,

चलना भी ज़रूरी होता है,

हर ठोकर के बाद यहाँ,

संभलना भी ज़रूरी होता है।

जब मेहनत रंग लाएगी,

खुशियों की बहार आएगी,

इस छोटी-सी दुनिया में,

फिर से एक नई सुबह छाएगी।



छात्र: गगन शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती सीमा शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान राकेश कुमार शर्मा
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

मां की ममता

मां की ममता अनुपम है,
हर दुख में साथी बन जाती।
जब बच्चे का हौसला टूटे,
वह प्रेम से राह दिखाती।
हर ठोकर पर सहलाती माथा,
"मत डर बेटा, मैं हूँ तेरे साथ।"
उसकी मुस्कान से खिल उठता जीवन,
उसका आशीष है सबसे बड़ी सौगात।
सारी खुशियाँ मां से पूरी,
मां के बिना दुनिया अधूरी।
जिसके आँचल में मिलता सुकून,
वह है मां, जीवन का जुनून।
मां, तेरे आँचल की ठंडी छाया ने,
दुख, दर्द, सब दूर भगाया।
तेरे चरणों में है स्वर्ग का सुख,
तेरे बिना जीवन है रूखा-सूखा।



छात्रा: कनिका शर्मा
कक्षा: छह
माता का नाम: श्रीमती कुमकुम शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान विष्णु कुमार
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

बैसाखी का त्योहार



आया है वैशाखी का त्योहार,
लाया है खुशियों की बहार।
अब कटेंगी फसलें सारी,
अब होंगी खुशियाँ न्यारी।
वाह! आया वैशाखी का त्योहार,
चारों तरफ़ छाई खुशियों की बहार।



छात्रा: मोनांशी सिंह
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती पिंकी बघेल
पिता का नाम: श्रीमान विपिन कुमार
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ

तुम धैर्य रखना

राह में मुश्किलें आएँ तो हौसला रखना,
हर अंधेरी रात के बाद एक सवेरा आता है,
बस, तुम धैर्य रखना।
मन भटके तो तुम डटे रहना,
मंजिल की ओर बढ़ते जाना,
बस, तुम धैर्य रखना।
कामीयाबी उसी को मिलती है,
जो असफलता पर धैर्य रखता है,
मुश्किलों को शालीनता और सुंदरता से सहना।
बिना कोई शिकायत किए आगे बढ़ना,
बस, तुम धैर्य रखना।

छात्रा: आकांक्षा
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती कुमकुम शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान विष्णु कुमार
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

अनजानी दुनिया

दुनिया है सपनों से परे,
जहाँ रंग उड़ते हैं बिना डरे।
जहाँ पेड़ों की जड़ें आसमान में,
और तारे छिपे हों मैदान में।
वहाँ न दिन होता, न रात होती,
बस सोच की ही बात होती।
हवा गुनगुनाती ख़ामोशी में,
नदियाँ बहती हैं रोशनी में।
लोग वहाँ शब्दों से नहीं,
बस दिल से दिल को पढ़ते हैं।
हँसी की आवाज़ दिखती है,
और आँसू भी रंग बदलते हैं।
वह दुनिया अब भी कहीं छिपी है,
तेरी-मेरी ही कल्पना में बसी है।
बस आँखें बंद करके देख ज़रा,
वह अनजानी दुनिया तेरे अंदर ही रची है।



छात्र: नैतिक सेंगर
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती अनीता सेंगर
पिता का नाम: श्रीमान हरि प्रताप सेंगर
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

आओ पेड़ लगाएँ हम



पेड़ धरती का सुंदर हार,

देता हमको शीतल बयार।

हरी पत्तियाँ, मीठे फल,

सबको करता यह निर्मल।

चिड़ियाएँ गाएँ इसकी डाल,

ठंडी छाया बेमिसाल।

बारिश में भी साथ निभाए,

जीवन का संदेश सिखाए।

आओ पेड़ लगाएँ हम,

धरती को स्वर्ग बनाएँ हम।



छात्र: शशांक सैनी
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती ज्योति
पिता का नाम: श्रीमान राजेश सैनी
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

मातृभूमि

हे मातृमि, तुझे है नमन,
दी तूने हमें जीने के लिए शरण।
तेरी भूमि है मानो माँ का आँचल,
जिसमें तूने सबको समाया,
हे मातृभूमि, तुझे है नमन।
तुझसे दूर जाने का नहीं करता मन,
क्योंकि तू ही तो है मेरा घर।
तूने हमें जल, छाया, संसार और जीवन दिया,
हे मातृभूमि, तुझे है नमन।
मेरी मातृभूमि ही है मेरी जन्मभूमि,
जिससे मेरी पहचान और मेरा सम्मान है,
हे मातृभूमि, तुझे है नमन।
तुझ पर है हमको गर्व,
क्योंकि तू रही हमारे हर पर्व पर संग।
तूने हमें हर मंज़िल पर पहुँचाया है,
तूने हमेशा हमारा साथ निभाया है।
हे मातृभूमि, तुझे है नमन,
दी तूने हमें जीने के लिए शरण।



छात्रा: आराध्या
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती विधि आर्या
पिता का नाम: श्रीमान ब्रज किशोर गुप्ता
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

माँ का प्यार



माँ का प्यार उनसे पूछो,
होती जिनके पास माँ नहीं।
सिर रखने को गोद नहीं,
सिर ढकने को माँ की छाया नहीं।
देता माँ जैसा प्यार कोई नहीं,
जिनके सिर पर माँ का साया नहीं।



छात्रा: धान्या शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती मोनिका शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान चंद्रभान शर्मा
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



पहले खुद को कर ले ठीक



छात्रा: वैष्णवी शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती रीना शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान गजेंद्र शर्मा
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़

डाल-डाल पर कोयल डोली,
एक दिन वह कौए से बोली।
"काँव-काँव क्यों चिल्लाता है?
फटे बाँस-सा तू गाता है!
कुछ दिन मुझसे गाना सीख,
तब तू हो जाएगा ठीक।"
कौआ तब बोला, "काँव-काँव!
क्यों चिल्लाती है, 'काँव-काँव'?
तुझको तो बस गाना आता,
घरनहीं बनाना आता।
मेरे घर में तू पलती है,
डींग मार क्यों चलती है?
पहले खुद को कर ले ठीक,
फिर मुझको तू देना सीख!"

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

भारत बदल रहा है

बढ़ता भारत, बदलता भारत,
विज्ञान की ओर बढ़ रहा है।
यह हमारा भारत है,
हम इसके संचालक हैं।
नई पीढ़ी है, नया दौर है,
नई सोच है, नया माहौल है।
जीवन सबके बदल रहे हैं,
हम भी आगे बढ़ रहे हैं।
देश-विदेश जब झगड़ रहे हैं,
हम तब तरक्की की ओर चल रहे हैं।
हमारा भारत बदल रहा है।





छात्रा: अनुषा टंडन
कक्षा: सात
माता का नाम : श्रीमती प्रिया टंडन
पिता का नाम: श्रीमान नितिन टंडन
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

शुरू हुई वर्षा की कहानी



वर्षा आई, वर्षा आई,
अपने साथ बूँदों को लाई।
गर्मी को दूर भगाती,
मोर को भी अपने इशारों पर नचाती।
रिमझिम-रिमझिम बरसे पानी,
शुरू हुई वर्षा की कहानी।



छात्रा: नैना कुलश्रेष्ठ
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती शिखा कुलश्रेष्ठ
पिता का नाम: श्रीमान राहुल कुलश्रेष्ठ
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

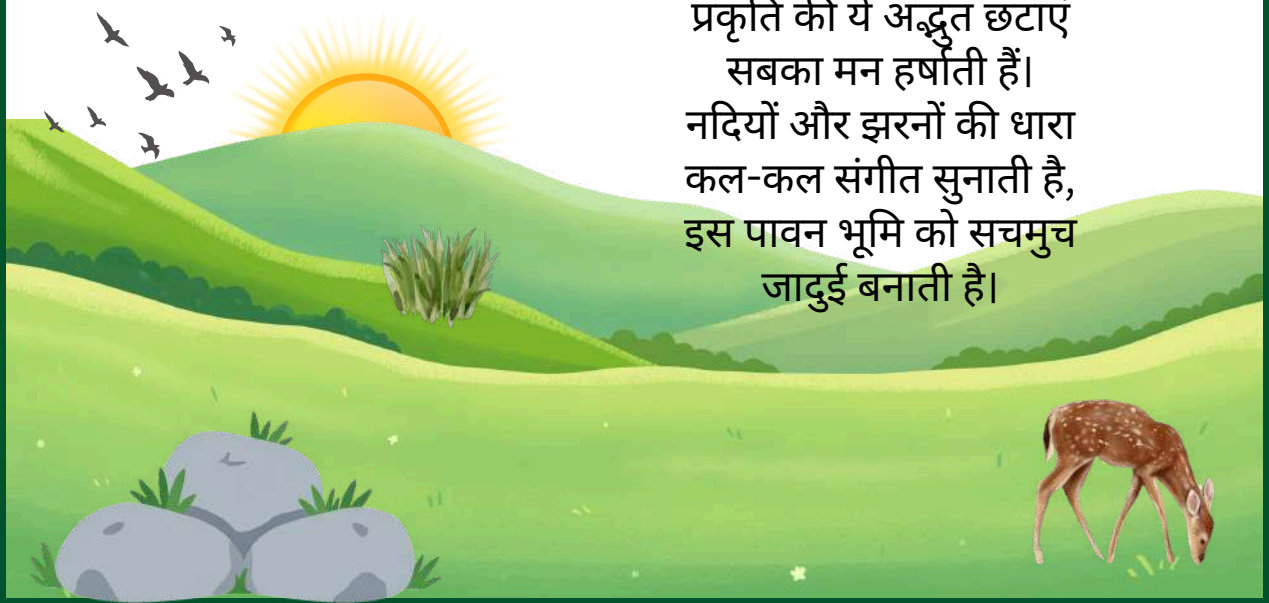
NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

प्रकृति की सुंदरता



छात्रा: भूमि राजपूत
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती प्रीति राजपूत
पिता का नाम: श्रीमान मनोज कुमार
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

जब सुबह सूरज की
कोमल किरणें,
धरती पर अपना प्रकाश
बिखेरती हैं।
तब चारों तरफ छाई
हरियाली,
मन में एक नया उल्लास
भरती है।
नील गगन में गूंजता
पक्षियों का मधुर गान,
शीतल हवाएं छूकर बढ़ाती
हैं इसकी शान।
फूलों की मनमोहक सुगंध
चारों ओर फैल जाती है,
हर जीव-जंतु के भीतर
एक नई ऊर्जा जगाती है।
ओस की सुंदर बूंदें जैसे
पत्तों पर सो जाती हैं,
प्रकृति की ये अद्भुत छटाएं
सबका मन हर्षाती हैं।
नदियों और झरनों की धारा
कल-कल संगीत सुनाती है,
इस पावन भूमि को सचमुच
जादुई बनाती है।



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

मेरे पापा



मेरे पापा मेरी दुनिया,
मेरे पापा मेरी पहचान।
मेरे पापा सा न है कोई मेरा,
उनके बिना मेरा जीवन अधूरा।
हमेशा खड़े रहते मेरी शक्ति बनकर,
चाहे दिन हो या रात।
प्यार बहुत करते मुझसे,
ना देख सकते मुझे उदास।
मेरे पापा मेरे लिए दुनिया से लड़ लें,
हर ख्वाहिश मेरी पूरी कर दें।
संवारी है जिंदगी उन्होंने मेरी,
अब करनी है मुझे
उनकी सारी इच्छाएं पूरी।



छात्रा: छवि वार्ष्णेय
कक्षा: सात
माता का नाम: श्रीमती पूजा वार्ष्णेय
पिता का नाम: श्रीमान कुलदीप वार्ष्णेय
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

सुंदर सवेरा



छात्रा: नव्या वाजपेयी
कक्षा: छः
माता का नाम : श्रीमती अजीता शुक्ला
पिता का नाम: श्रीमान उमाकांत बाजपेयी
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ

देखो-देखो उगता सूरज आया,
कितना सुंदर सवेरा लाया।
चारों तरफ रोशनी लाया,
चिड़ियाँ चहक रही हैं।
बादल झूम रहा है,
कितना प्यारा सवेरा लाया।
देखो-देखो उगता सूरज आया,
कितना सुंदर सवेरा लाया।
अंधकार से उजाला लाया,
हमारे जीवन को जगमगाया।
सुंदर पहाड़ों से झांक रहा सूरज,
अपनी मनोहर रोशनी को।
देखो-देखो उगता सूरज आया,
कितना सुंदर सवेरा लाया।



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

सपनों की उड़ान

चल पड़ा मैं राहों में,
मेहनत को अपना साथी बनाया।
खुशियों की राहों में,
रास्ते चाहे कठिन मिले,
दिल ने हार न मानी है।
डटकर करूंगा सामना मैं,
मेरे दिल ने यह ठानी है।
मेहनत की रोशनी से मैंने,
अपने दिल को समझाया है।
एक दिन मंजिल मिल ही जाएगी तुम्हें,
दिल कहता है सच्ची मेहनत है हमारी।
जो सपनों की राहों पर चलता,
वह इंसान महान बनता है।
इस दुनिया की मोह-माया में,
हमारा जीना बेकार है।
सपनों की ऊंची उड़ान लेकर,
चल पड़ा मैं राहों में।





छात्र: मयंक सारस्वत
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती नीलम सारस्वत
पिता का नाम: श्रीमान कन्हैया लाल सारस्वत
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

हर मानव एक फरिश्ता बने

सूरज की है प्रखर तपन और तपती सी यह धरती है,
इस जेठ की जलती गर्मी में,
हर सांस बेहाल सी फिरती है।
सूख रहा है कंठ सभी का,
छाया भी अब शर्माती है,
बेज़ुबान पशु-पक्षियों पर आफत भारी आ जाती है।
आओ अपने घर के आंगन या छतों की मुंडेरों पर,
मिट्टी के कुछ पात्र रख दें,
शीतल जल से उन्हें भरकर।
प्यासी गौरैया, कोयल, मैना,
जब आकर प्यास बुझाएंगी,
अपनी मीठी चहचहाहट से वो घर-आंगन महकाएंगी।
मूक जीव और हरी प्रकृति जब हमसे जीवन पाएंगे,
इस तपती हुई दुपहरी में सब मिलकर मुस्काएंगे।
दया भाव ही सबसे बड़ा है,
यही धर्म, यही ईमान बने,
आओ इस भीषण गर्मी में,
हर मानव एक फरिश्ता बने।





नाम: मधुर भारद्वाज
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

घर



छात्रा: वैष्णवी सोलंकी
कक्षा: ग्यारह
माता का नाम : स्वर्गीय श्रीमती आरती सोलंकी
पिता का नाम: श्रीमान मुकेश सोलंकी
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

चहारदीवारी, एक छत, क्या इसी को
कहते हैं घर?
जो धूप से, बारिश से, सर्दी से बचाए,
क्या सिर्फ वही घर कहलाए?
जहां खुशियां हों, चहल-पहल हो,
सुख हो,
लोग उसे भी तो कहते हैं घर।
शायद हां या नहीं, मुझको पता नहीं,
मेरा कुछ खो गया है,
बस उसी को ढूंढ रहा हूं मैं,
घर में हूं लेकिन घर को ढूंढ रहा हूं मैं।



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

एक पेड़ की पुकार

मैं एक छोटा-सा पेड़ हूं,
धरती मां का दुलारा हूं।
धूप, हवा और बारिश में,
सबका सच्चा सहारा हूं।
तुम सांसों का मोल न जानो,
मैं हर पल जीवन देता हूं।
फल, छाया और शुद्ध हवा से,
हर दुख थोड़ा कम करता हूं।
फिर भी मुझको काट रहे हो,
कैसा यह व्यवहार हुआ?
जिस धरती ने जीवन दिया,
उस पर इतना वार हुआ।
आओ मिलकर वचन लें,
हर मौसम में पेड़ लगाएं।
हरा-भरा हो अपना भारत,
मिलकर इसे स्वर्ग बनाएं।





छात्र: निशांक शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती गुंजन शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान जितेंद्र कुमार शर्मा
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

भारत की बेटी

सच्ची है, वो अच्छी है,

भारत की वो शान है।

बेटियों से ही महकता,

हमारा हिंदुस्तान है।

जब चाहे वो घर की लक्ष्मी,

जब चाहे वो औरत।

घूंघट में वह रहती है पर,

लगती सबको प्यारी है।

जब घर में न हो धन की पूर्ति,

तब काम आए भारत की बेटी।

घर में खुशियां लाती और

माता-पिता की लाडली।

लड़कों से भी आगे निकलकर,

जीतेगी हमारे भारत की बेटी।



छात्रा: अन्वी शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती अल्का शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान रिंकू शर्मा
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

उठेगा फिर से नेपाल...

धरा कांपी, गगन रोया,

पलक झपकते सब कुछ खोया।

छूट गया अपनों का साथ,

सूने रह गए खाली हाथ।

गए जो छोड़, उन्हें नमन,

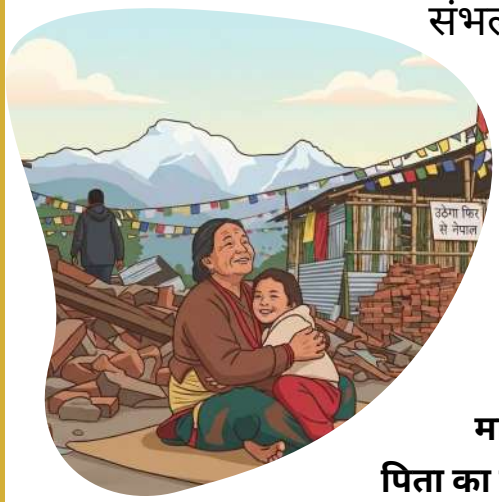
शांत रहे उनका जीवन।

दु:ख की इस काली रात में,

हम सब हैं तेरे साथ में।

उठेगा फिर से नेपाल,

संभलेगा फिर हर एक हाल।



छात्रा: कृतिका भारद्वाज
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती ऋतु शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान प्रदीप कुमार शर्मा
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

बूंद-बूंद में जीवन

पानी की हर बूंद है कीमती,

इसे व्यर्थ मत बहने दो।

जीवन का यह मूल आधार है,

तृषित धरा न रहने दो।

नदियाँ, ताल, कुएँ सब रोते,

जब हम पानी व्यर्थ खोते।

संजोकर रखो हर एक बूंद,

कल की नई आस को संजोते।

पेड़-पौधे भी मुस्कुराएँगे,

जब हम जल को बचाएँगे।

आओ मिलकर कसम यह खाएँ,

बूंद-बूंद से जीवन सजाएँ।





छात्रा:- पाखी दीक्षित
कक्षा:- आठ
माता का नाम : श्रीमती सजल दीक्षित
पिता का नाम: श्रीमान सचिन दीक्षित
विद्यालय:- श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

पधारे विघ्नहर्ता (कविता)

आई गणेश चतुर्थी,

खुशियों की सौगात।

गूंजे जयकारे दिशाओं में,

सुहानी हुई रात।

मोदक का भोग सजे,

सिंदूरी है श्रृंगार।

विघ्नहर्ता के आने से,

महक उठा संसार।

चरणों में झुका शीश,

मन में हो विश्वास।

सबके संकट हर लेंगे

गणपति बप्पा खास।



श्री गणेशाय नमः



छात्रा:- वैष्णवी गौड़

कक्षा:- सात

माता का नाम : श्रीमती विनीता गौर

पिता का नाम: श्रीमान संतोष गौर

विद्यालय:- श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

हरी धरती का सपना

मैंने देखा एक सवेरा,
हरा-भरा था हर इक डेरा।
पेड़ों की थी मीठी छाया,
पंछी गाते मधुर तराना।
कल-कल बहती निर्मल धारा,
महके हर उपवन का किनारा।
रंग-बिरंगे फूल खिलें,
तितली संग सब बच्चे मिलें।
आओ मिलकर वृक्ष लगाएं,
धरती मां का मान बढ़ाएं।
जल, जंगल और जीव बचाएं,
स्वच्छ भविष्य हम सब पाएं।
छोटी-सी यह नेक पहल,
बदल सकेगी दुनिया कल।
हरी-भरी जब होगी धरती,
मुस्कुराएगी अपनी प्रकृति।





छात्रा – खुशी
कक्षा – सात
माता का नाम: श्रीमती बबली राजौरिया
पिता का नाम: श्रीमान योगेन्द्र कुमार राजौरिया
विद्यालय – थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

मां की बीमारी ने सिया को बना दिया सैन्य अधिकारी

एक १३ साल की लड़की थी, जिसका नाम सिया था। उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता था और न ही उसे घर का काम करना पसंद था।

कुछ दिनों बाद उसकी मां की तबीयत अचानक बहुत खराब हो गई, जिसके कारण उन्हें कुछ महीनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इस कठिन समय में सिया अपनी दादी के पास रहने चली गई। दादी के साथ रहते हुए उसे घर के कामों में हाथ बंटाना पड़ता था, जिससे धीरे-धीरे वह घर के कई काम सीख गई। इसके साथ ही उसने अपनी पढ़ाई पर भी पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया।

जब मां ठीक होकर घर वापस आईं, तो उन्हें सिया के व्यवहार और दिनचर्या में अद्भुत सुधार देखने को मिला। अब वह पहले वाली लापरवाह सिया नहीं रह गई थी। जीवन के इसी छोटे से मोड़ ने उसकी सोच और अनुशासन को बदल दिया, और आगे चलकर उसकी यही लगन व मेहनत उसे एक सैन्य अधिकारी बनाने में सहायक बनी।





छात्रा: मोनिशा वार्ष्णेय
कक्षा: आठ
माता का नाम : स्वर्गीय श्रीमती दीप्ति गुप्ता
पिता का नाम: श्रीमान नितिन स्वरूप
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

निरंतरता से मिली सफलता

जब जल का सैलाब आता है, तो वह बड़ी-बड़ी इमारतों को भी ढहा सकता है, लेकिन किसी कठोर पत्थर को तुरंत नहीं तोड़ पाता। वहीं दूसरी ओर, यदि पानी की एक-एक बूँद वर्षों तक लगातार उसी पत्थर पर गिरती रहे, तो वह उस कठोर पत्थर के सीने को भेदकर उसमें छेद कर देती है। यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि अटूट निरंतरता और निरंतर प्रयास से जीवन की किसी भी कठिन मंजिल को हासिल किया जा सकता है।





छात्र: यश राज यादव
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती रूबी यादव
पिता का नाम: श्रीमान जितेंद्र यादव
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

ईमानदारी का इनाम

सुबह के करीब आठ बजे थे। एक छोटे से कस्बे में रहने वाला रवि रोज की तरह अपनी पुरानी साइकिल से काम पर जा रहा था। रास्ते में उसे सड़क किनारे एक काला बैग पड़ा मिला। रवि ने बैग खोला तो उसके होश उड़ गए। उसमें लगभग दो लाख रुपये, कुछ दस्तावेज और एक मोबाइल फोन था।

उसके दोस्त ने कहा, "इतने पैसे मिले हैं, किस्मत खुल गई! इन्हें रख ले।"

रवि मुस्कुराया और बोला, "मेरी किस्मत मेहनत से खुलेगी, किसी की परेशानी से नहीं।"

तभी मोबाइल फोन की घंटी बजी। दूसरी तरफ से घबराई हुई आवाज आई। फोन करने वाले ने पूछा, "क्या आपको एक बैग मिला है? कल मेरी बेटी की शादी है।"

रवि ने तुरंत मिलने की जगह तय की और बैग लौटा दिया। बैग के मालिक की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने इनाम में 20,000 रुपये देने चाहे, पर रवि ने मना कर दिया। बहुत आग्रह करने पर उसने सिर्फ 501 रुपये ले लिए और हंसते हुए बोला, "इतने में घर वालों के लिए मिठाई आ जाएगी। बाकी पैसे बेटी की शादी में लगाइए।"

वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। किसी ने रवि का वीडियो बना लिया। अगले ही दिन उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कुछ दिनों बाद एक कंपनी ने रवि की ईमानदारी से प्रभावित होकर उसे अच्छी नौकरी दे दी।

सीख: ईमानदारी का फल देर से मिल सकता है, लेकिन जब मिलता है तो सम्मान के साथ मिलता है।



छात्र: नैतिक सेंगर
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती अनीता सेंगर
पिता का नाम: श्रीमान हरि प्रताप सेंगर
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

माता-पिता के आशीर्वाद के सामने संसार की सफलताएं छोटी

एक व्यस्त युवा अपने वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा कर शहर में अपनी सफलता और सुख-सुविधाओं की खोज में जुटा रहता था। एक दिन जब उसके बीमार पिता ने उसे फोन करके अपनी पीड़ा बताई, तो उसकी अंतरात्मा जाग उठी और वह तुरंत घर लौट आया।

उसने अपना सारा काम छोड़कर कुछ दिनों तक माता-पिता की पूरी निष्ठा और प्रेम से सेवा की। जब उसने उनके मुख पर संतोष और चैन की मुस्कान देखी तो उसे समझ आया कि संसार की सारी सफलताएं और धन माता-पिता के आशीर्वाद के सामने तुच्छ हैं। इस अनुभव ने उसके जीवन की दिशा बदल दी और उसे सच्चा सुख अपने माता-पिता के चरणों में मिला।



छात्रा: मान्या शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती स्नेहलता
पिता का नाम: श्रीमान दीपक शर्मा
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

जो समय को खोता है, अवसर उसे छोड़ देता है

समय सबसे अनमोल संपत्ति है। धन खो जाने पर उसे दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए हर व्यक्ति को आलस छोड़कर समय का सदुपयोग करना चाहिए।

एक राजा का एक मित्र था, जो बहुत आलसी था। वह हमेशा अपने काम को कल पर टाल देता और अपना अधिकांश समय आराम करने में बिता देता था। राजा उसे समझाता रहता कि जीवन में समय का बहुत महत्व है, लेकिन उसकी आदतों में कोई बदलाव नहीं आया।

एक दिन राजा ने अपने आलसी मित्र को महल में बुलाया और कहा, "आज तुम मेरे खजाने से जितना चाहो धन ले जा सकते हो, लेकिन मेरी एक शर्त है। तुम्हें सूर्यास्त से पहले खजाना लेकर महल वापस लौटना होगा। सूर्यास्त के बाद महल के दरवाजे बंद हो जाएंगे और तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा।"

मित्र यह सुनकर बहुत खुश हुआ। उसने सोचा कि आज तो उसकी किस्मत ही बदल जाएगी। वह सुबह जल्दी घर से निकला, लेकिन रास्ते में उसे लगा कि पहले थोड़ा आराम कर लेना चाहिए। वह कुछ देर एक पेड़ के नीचे बैठ गया। इसके बाद उसे तेज भूख लगी तो वह एक सराय में पहुंचा और पेट भरकर खाना खाने लगा।

खाना खाने के बाद उसे नींद आने लगी। उसने सोचा कि अभी तो काफी समय बाकी है, इसलिए थोड़ी देर सो लेने में कोई नुकसान नहीं होगा। वह दोपहर में सो गया। जब उसकी आंख खुली तो सूर्य पश्चिम की ओर ढलने लगा था।

अब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ। वह पूरी ताकत से महल की ओर दौड़ा, लेकिन जब तक वह महल पहुंचा, सूर्यास्त हो चुका था। महल के विशाल दरवाजे बंद हो चुके थे। उसने बहुत आवाज लगाई और दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन राजा की शर्त के अनुसार उसे खाली हाथ ही लौटना पड़ा।

घर वापस आते समय वह रास्ते भर पछताता रहा। उसके पास धन पाने का सुनहरा अवसर था, लेकिन उसने आलस और समय की बर्बादी के कारण सब कुछ खो दिया। उस दिन उसे समझ आया कि अवसर और समय दोनों एक बार हाथ से निकल जाएं तो वापस नहीं आते।



छात्रा: मोहिनी शर्मा
कक्षा: आठ
माता का नाम : श्रीमती श्वेता शर्मा
पिता का नाम: श्रीमान तरुण शर्मा
विद्यालय: थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

इंसानियत का भूगोल

पहाड़ों से आती सर्द हवाओं के बीच, अमन अपने कमरे की खिड़की के पास बैठा था। बाहर दुनिया हमेशा की तरह दौड़ रही थी, लेकिन अमन के हाथ में मौजूद मोबाइल फोन की स्क्रीन पर नजर ठहर गई थी। स्क्रीन पर नेपाल में आई भीषण त्रासदी की तस्वीरें थीं। जहां पलक झपकते ही हंसते-खेलते घर मलबे के ढेर में तब्दील हो चुके थे और चीखते-पुकारते लोग मलबे में अपनों को तलाश रहे थे। अमन एक विद्यार्थी था, जो अब तक भूगोल की किताबों में सिर्फ भूकंप की परिभाषाएं पढ़ता आया था। लेकिन आज की तस्वीरों ने उसके दिल को अंदर तक दहला दिया। उसे समझ आया कि इंसानी घमंड व बड़ी-बड़ी तकनीकें, प्रकृति के एक छोटे से प्रकोप के आगे कितनी बौनी और बेबस हैं।

तभी उसकी छोटी बहन ने आकर पूछा, "भैया, क्या नेपाल के लोग हमारे अपने हैं? वो तो दूसरे देश में रहते हैं।"

बहन के इस सीधे सवाल ने अमन को झकझोर दिया। उसने उसकी आंखों में देखा और कहा, "हां गुड़िया, वो हमारे अपने हैं। आज इस आपदा से मुझे सबसे बड़ी सीख यही मिली है कि संकट की कोई सीमा और कोई धर्म नहीं होता। जब धरती कांपती है तो वह किसी का पासपोर्ट या मजहब नहीं देखती।"

अमन को अहसास हुआ कि आपदाएं जहां एक तरफ भारी तबाही लाती हैं, वहीं दूसरी तरफ वे बिखरे हुए इंसानों को जोड़कर इंसानियत का असली पाठ भी पढ़ाती हैं। उसने तुरंत अपनी पॉकेट मनी का गुल्लक उठाया और अपनी मां के पास गया। उसने मां से कहा कि "मां यह समय केवल दुख जताने का नहीं है। यह समय प्रकृति के साथ खिलवाड़ रोकने का संकल्प लेने व पीड़ित नेपाल के साथ एकजुट होकर खड़े होने का है। अगर हम आज आगे नहीं आए, तो हमारी शिक्षा अधूरी रह जाएगी।"

अमन की बात सुनकर मां की आंखों में गर्व के आंसू आ गए। उस शाम, उस छोटे से घर से नेपाल के लिए प्रार्थना व सहायता के हाथ बढ़े। अमन ने साबित कर दिया था कि सरहदें कितनी भी गहरी क्यों न हों, इंसानियत ही इस दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है।

छात्र: माधव वार्ष्णेय
कक्षा: आठ
माता का नाम: श्रीमती सारिका वार्ष्णेय
पिता का नाम: श्रीमान विवेक वार्ष्णेय
विद्यालय: श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल



NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

कला कृति



वंशिका शर्मा

- कक्षा : 3
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवा मार्ग पब्लिक स्कूल।



वंशिका द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



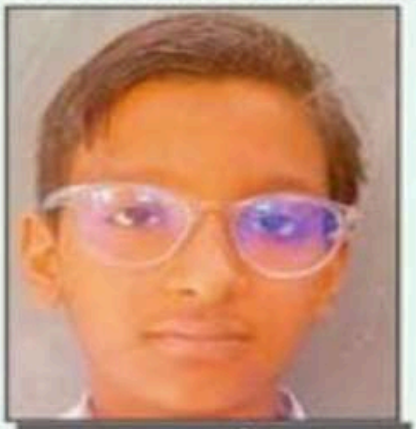
आरुष सिंह

- कक्षा : 3
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)



आरुष द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



सूरज कोच्चर

- कक्षा : 8
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)

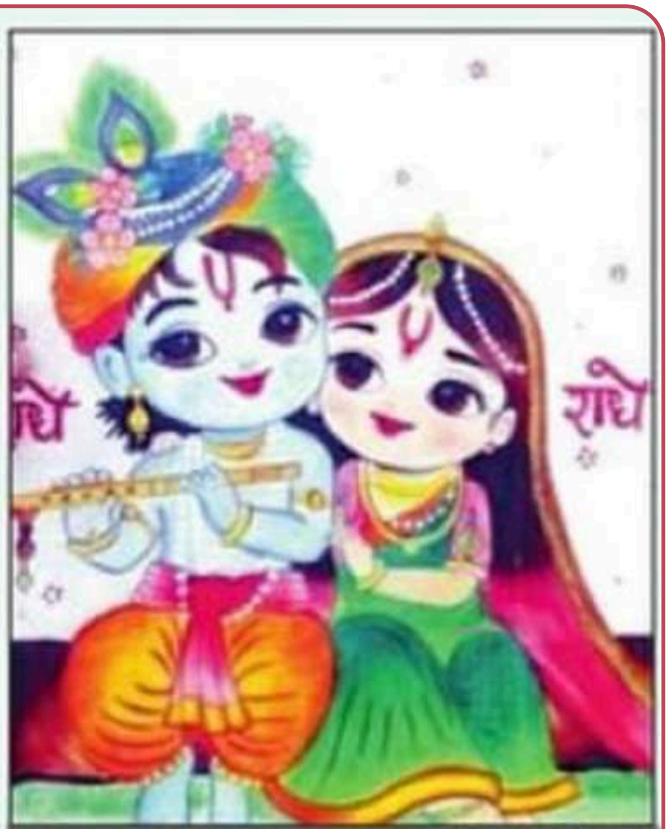


सूरज द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



सुब्रत भारद्वाज

- कक्षा : 8
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)



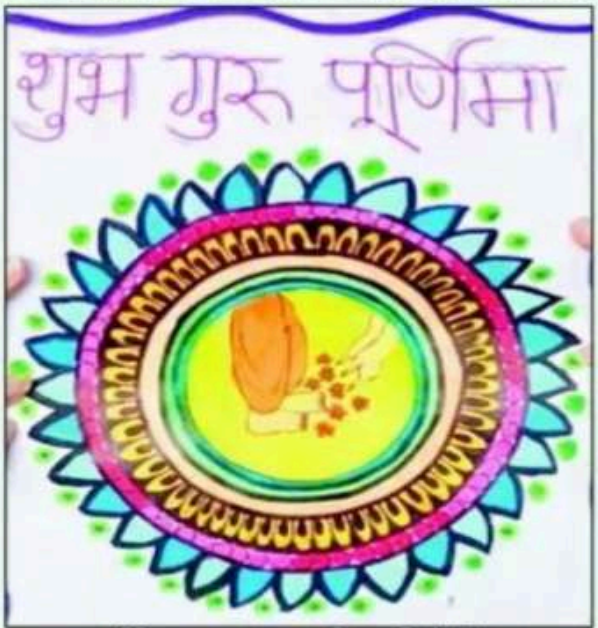
सुब्रत भारद्वाज द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



पूर्वी सिंघल

- **कक्षा :** 8
- **स्कूल :** श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल (अलीगढ़)



पूर्वी द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



मोनिष्का भारद्वाज

- **कक्षा :** 7
- **स्कूल :** श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल अलीगढ़



मोनिष्का की बनाई पेंटिंग।

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



वैष्णवी शर्मा द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



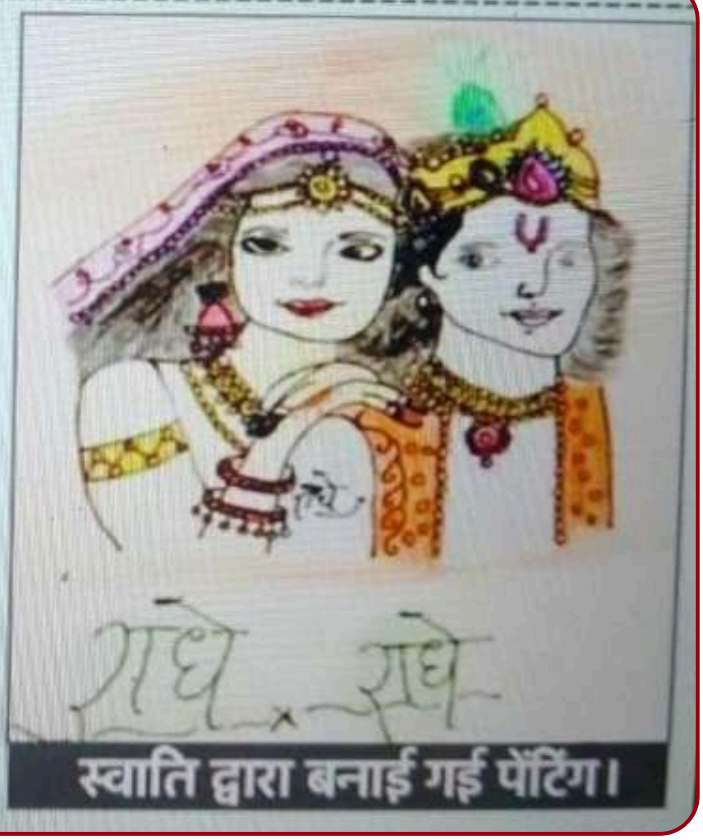
वैष्णवी शर्मा

- कक्षा : 8
- स्कूल : थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़



स्वाति यादव

- कक्षा : 8
- स्कूल : थ्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़



स्वाति द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



वैष्णव

- कक्षा : 8
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़



वैष्णव द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



याशिका द्वारा बनाई गई पेंटिंग।



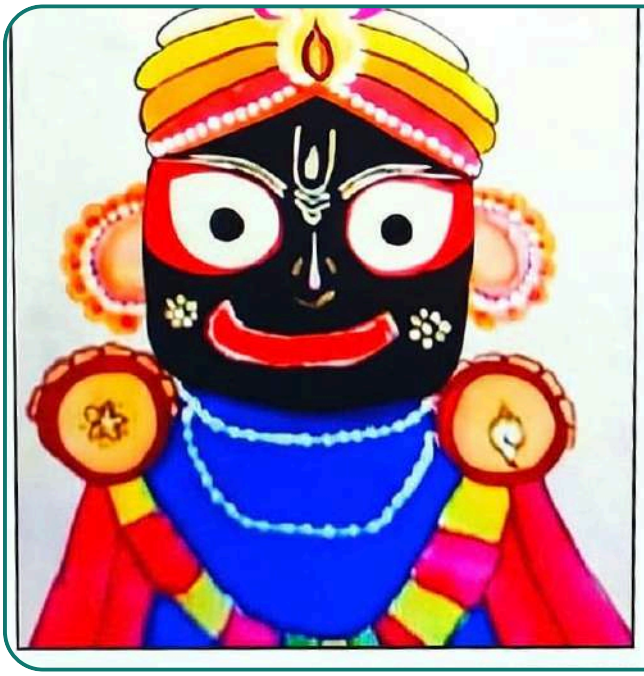
याशिका शर्मा

- कक्षा : 8
- स्कूल : श्री डॉट्स सेवामार्ग पब्लिक स्कूल, अलीगढ़

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY



छात्र – यशराज गांधी, कक्षा - आठ,
स्कूल - थ्री डाट्स सेवामार्ग स्कूल





अन्वी वार्ष्णेय

- कक्षा : 8
- स्कूल : श्री डॉट्स सेबामार्ग पब्लिक

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

THREE DOTS SEWAMARG PUBLIC SCHOOL

(An English Medium 10+2 Institution, Affiliated to C.B.S.E., New Delhi)



Surya Sarovar, Near Ramesh Vihar,
Ramghat Road, Aligarh - 202001 (U.P.)

NOT FOR SALE
FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

+91 9756611133
TDSPS ALIGARH
threedotsschool@yahoo.co.in
TDSPS ALIGARH
www.threedotssmpschool.com
THREE_DOTS_SCHOOL_ALIGARH